वी.यू. के प्रत्येक शोध में पशुपालक के हित का समावेश होना चाहिये - डॉ. जुयाल

आज नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दस दिवसीय कोर्स ‘’न्यूट्रीशनल पर्सपेक्टिव्स फॉर ऑगमेंन्टिग एनीमल प्रोडक्टिविटी एन एप्रोच टू डबल फार्मर्स इनकम‘’ का शुभारंभ डॉ. जी. राजेश्वर रॉव, डायरेक्टर ट्रोपीकल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, जबलपुर के मुख्य आतिथ्य, एवं माननीय कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल की अध्यक्षता में हुआ।

इस अवसर पर डॉ. जुयाल ने कहा कि वि. वि. के प्रत्येक शोध में पशुपालक के हित का समावेश होना चाहिये। कुछ शोध शैक्षणिक महत्व के हो सकते हैं परन्तु अधिकतर ऐसे होने चाहिये जिससे कम लागत में अधिक दुग्ध उत्पादन हो। उन्होंने कहा कि म.प्र. में गायों की संख्या में हम देश में प्रथम स्थान पर हैं परन्तु दुग्ध उत्पादन में तृतीय स्थान पर हैं। हमें ऐसी तकनीकें विकसित करके प्रसार विभाग के माध्यम से गांवो तक पहुँचाना चाहिये जिससे हमारे पशुपालक अधिक दुग्ध उत्पादन कर आर्थिक लाभ कमा सकें। अभी प्रदेश में उत्पादन के केवल 5 से 10 प्रतिशत दुग्ध की प्रोसेसिंग हो रही है। इसे बढ़ाने हेतु उन्होंने डेरी टेक्नालॉजी महाविद्यालय की स्थापना की आवश्यकता बताई। हमें माननीय प्रधानमंत्री के 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने के सपने को पूरा करना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जी. राजेशवर रॉव ने बताया कि वर्तमान में पशुपालकों में दाना एवं दवाइयों पर खर्च न करके बिना खर्च के दुग्ध् उत्पादन करने की इच्छा हैं। हमें उन्हें बताना कि इस पर खर्च करें, अच्छी नस्ल की गायें पालें जिससे पशुधन की कम संख्या में अधिक दूध प्राप्त हो सके। हमारे काम करने का ऐसा तरीका होना चाहिये जिससे नई नई तकनीकें गॉवों तक पहुँच सकें।

शोध पत्र जरूर लिखो परंतु किसानों तक नवीन तकनीकी पहुंचाये ये कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा हो सकती है। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना एवं विश्वविद्यालय गीत से हुई। अधिष्ठाता डॉ. आर.पी.एस. बघेल ने इस दस दिवसीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा एवं प्रशिक्षणार्थियों से पूरी लगन के साथ कार्य करने की आवश्यकता बताई। कोर्स के संचालक डॉ. सुनील नायक ने दस दिवसीय कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. एस. एन. एस. परमार, डॉ. जी. पी. पांडे, डॉ. वाय.पी. साहनी, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. जे.के. भारद्वाज, डॉ. एच.एस. सिंह, डॉ. एन.के. जैन सहित समस्त प्राध्यापकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। संचालन डॉ. जॉयसी जोगी एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अंकुर खरे ने किया।

सूचना एव जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि.
जबलपुर